3. शब्द ज्ञान

वर्णों का उचित क्रम में मेल एक सार्थक शब्द की रचना करता है। बिना अर्थ का कोई शब्द नहीं होता। प्रत्येक शब्द एक निश्चित अर्थ लिए होता है। बच्चे वर्णों से भली-भाँति अवगत हो चुके हैं, अब उन्हें वर्णों को सही क्रम में जोड़ना सीखना है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को समझाएँ कि शब्द दो वर्णों, तीन वर्णों, चार या अधिक वर्णों को जोड़कर बनाए जाते हैं।
- यदि कक्षा में बिना मात्रा वाले शब्दों की कोई वस्तु हो, जैसे- कलम (पेन), रबड़, थरमस आदि दिखाकर उनके नामों का उच्चारण करवाएँ।
- एक-एक कर बच्चों से दो वर्ण, तीन वर्ण तथा चार वर्ण वाले शब्द बताने को कहें। इस तरह बच्चे स्वयं वर्णों को जोड़कर शब्दों का उच्चारण करने में कुशल होंगे।
- बच्चों को बताएँ, वह प्रत्येक शब्द जिसे बोलते या पढ़ते ही एक आकार या चित्र मन में उभरता है, वही सही शब्द होता है।
- प्रत्येक बच्चे की बौद्धिक क्षमता भिन्न होती है। अतः प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें।
- पाठ में शब्दों के चित्र दिखाकर अथवा ब्लैकबोर्ड पर शब्दों के चित्र बनाकर, चित्र वाले शब्द बुलवाएँ। जैसे- मटर या कमल का चित्र बनाकर बच्चों से उसका नाम पूछें। इस प्रकार के अभ्यास द्वारा बच्चे चित्रों के माध्यम से शब्दों को आसानी से और देर तक याद रख पाते हैं।
- अब शब्दों के लेखन की ओर ध्यान लाएँ। शब्दों के वर्णों का उच्चारण करते-करवाते हुए एक-एक वर्ण लिखवाएँ फिर पूरा शब्द उच्च स्वर में बोलें-बुलवाएँ।
- चित्र दिखाकर वर्णों को आगे-पीछे करके ब्लैकबोर्ड पर लिखें। फिर उन वर्णों को सही क्रम में जोड़कर शब्द बनवाएँ। बच्चा वर्णों का क्रम बोले तथा आप बोर्ड पर लिखें।
- बच्चों से पाठ का अभ्यास करवाएँ। यदि बच्चे गलत करें तो आप उन्हें दोबारा समझाएँ और उनकी गलती शुद्ध करें।